

- INCONSONANT : expr. by न संवदति (वद्, c. 1.) :
v. Inconsistent, discordant.
- INCONSTANCY : (1) अस्थिरता ; (2) अनवस्थिति : v.
Fickleness.
- INCONSTANT : (1) अस्थिरः (रा, रं) ; (2) अनवस्थितः
(ता, तं) : v. Fickle. constant.
- INCONSUMABLE : अक्षयः (या, यं) or अक्षय्य (f. य्या),
i. even after hundred years' enjoyment : वर्षशतोप-
मोगेऽप्यक्षय्य (f. य्या), D. iv.
- INCONTESTABLE : (1) अखण्डनीयः (या, यं) (=in-
controvertible) ; (2) निर्विवादः (दा, दं) (=in-
disputable).
- INCONTINENCE, INCONTINENCY : I. Lit. : (1)
असंयमः ; (2) अजितेन्द्रियता. II. Indulgence of
lust : इन्द्रियासक्तिः. Ph. : arising from i. : रतिराग-
सम्भवः (वा, वं); R. xix. 48.
- INCONTINENT : Lit. : (1) असंयतः (ता, तं) ; (2)
अजितेन्द्रियः (या, यं). II. Lustful : इन्द्रियासक्त
(f. क्ता).
- INCONTINENTLY : I. Lit. : असंयतम्. II. Imme-
diately : q.v. : अचिरेण.
- INCONTROLLABLE : (1) निर्यन्त्रण (f. णा) ; (2)
निरवग्रहः (हा, हं), Vi.
- INCONTROVERTIBLE : अखण्ड्य (f. ण्ड्या) or अखण्ड-
नीयः (या, यं).
- INCONTROVERTIBLY : निर्विवादेन (=indisputa-
bly).
- INCONVENIENCE : (1) असुखम् (?) ; (2) क्लेशः
(=trouble) ; (3) पीडा (=pain).
- INCONVENIENT : I. Unfit : q.v. : अयोग्य (f. ग्या).
II. Incommodious : (1) असुखकरः (री, रं)
(?) ; (2) क्लेशकरः (री, रं) (?) ; (3) पीडाकरः
(री, रं) (?) .
- INCONVENIENTLY : expr. by adj.
- INCONVERTIBLE : अपरिवर्तनीयः (या, यं) (??) ;
better by circumlo : v. To change.
- INCORPORATE (v.t.) : I. To mix : q.v. : मिश्रयति
(मिश्र, c. 10.). II. To unite : q.v. : संयोजयति
(c. of युज्). III. To form into a legal
body : *समवायीकरोति.
- INCORPORATE (v.i.) : (1) संसृज्यते (pass. of. सृज्) ;
(2) मिश्रीभवति, सं-.
- INCORPORATION : I. Union, combination :
q.v. : संयोगः. II. Of companies etc : *सम-
वायीकरणम्.
- INCORPOREAL : (1) अशरीरः (री, रं) ; (2) अदेहः
(हा, हं) ; (3) अशरीरिन् (f. णी) ; and sim.
comp.s. : v. Body, devoid of.
- INCORRECT : (1) अशुद्ध (f. द्वा) ; (2) भ्रान्त (f. न्ता)
(=erroneous) ; (3) मिथ्या (=false : q.v.).
- INCORRECTLY : (1) अशुद्धम् ; (2) भ्रान्तम् ; (3) मिथ्या ;
(4) नाङ्गसा (rare).
- INCORRECTNESS : (1) अशुद्धिः ; (2) असत्यता
(=falsity).
- INCORRIGIBLE : expr. by दुर्दान्त (f. न्ता) (=in-
tractable, of persons only) or दुरन्त (f. न्ता)
(=fatal, extreme).
- INCORRIGIBLY : (1) expr. as above, to drink i. :
दुरन्तं पिबति ; (2) by circumlo : v. To correct.
- INCORRUPT, INCORRUPTED : v. Incorruptible.
- INCORRUPTIBILITY : (1) अविनश्वरता ; (2) अदुष्यता ;
(3) अमेद्यता : for dif. : v. Imperishable.
- INCORRUPTIBLE : (1) अविनश्वरः (रा, रं) (=im-
perishable) ; (2) अक्षयः (या, यं) (=undecay-
ing) ; (3) अदूष्य (f. य्या) (cannot be defiled) ;
(4) अमेद्य (f. द्या) (as with bribe), K. b.
- INCORRUPTIBLY : expr. by adj.
- INCREASE : (v.i.) : (1) वर्धते, वि-, परि-, सं-, प्र-,
अभि-, (वृष्, c. 1.), the fish i. d. there (i.e. became
large) : स तत्र ववृधे मत्स्यः, Mah. iii. 187. 22. ; of
i. d. spirit : विवृद्धतेजस् (mfn.), Ki. xvi. 7. ; do
your penances i. (i. e. advance) : वर्धते ते तपः,
B. vi. 69. ; i. ing affection : वर्धमानः स्नेहः, H. ii.
1. ; (2) वृद्धिं गच्छति (गम्, c. 1.), याति (या, c. 2.),
अश्नुते (अश्, c. 5.), etc. ; (3) एष्यते, सम्-
(एष्, c. 1.) (rare) ; (4) उपचीयते (pass of चि).
- INCREASE (v.t.) : (1) वर्धयति, वि-, परि-, सं-, प्र-,
(c. of वृष्), you are i. ing my curiosity : वर्धयसि
मे कुतूहलम्, Mu. v. ; does not i. it (fortune) : न तां
वर्धयति, H. ii. 5. ; i. (=advance) them who
flatter : तं वर्धयति यः स्तौति, K. ; (2) वृद्धिं नयति
(नी, c. 1.) or लम्भयति (c. of लम्), etc. ; (3)
एषयति, सम्-, (c. of एष्) (rare) ; (4) उप-चिनोति
(चि, c. 5.).
- INCREASE (subs.) : (1) वृद्धिः, (rarely) वि-, सं-,
causing the i. of wealth : धनवृद्धिकरः (री, रं),